



विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नेट-ब्यूरो

कोड नं. : 33

विषय: डोगरी

पाठ्यक्रम

इकाई-I

- भाशा दी परिभाशा, म्हत्तव ते इसदा रूप-सुआत्मा भाशा दे बक्ख-बक्ख रूप—वाक, बोल्ली, भाशा, राष्ट्रभाशा, सम्पर्क भाशा आदि।
- भाशा विज्ञान दा म्हत्तव, शाखां, होरनें विशें / विज्ञानें कन्नै सरबंध ते उसदे उपयोग। प्राचीन काल थमां लेइयै बीह्नीं सदी दे खीरा तगर दा भाशा विज्ञान दा इतिहास—खास तौरा पर डोगरी दे भाशा विज्ञानक अध्ययन दे संदर्भ च।
- भाशाएं दा परिवारक वर्गीकरण—भारोपीय भाशा परिवार दे विशेष संदर्भ च। परिवारक वर्गीकरण च डोगरी दा थाहर – बक्ख-बक्ख मते दे परिप्रेक्ष च।
- डोगरी ध्वनि ते ध्वनिग्राम विज्ञान। डोगरी दी ध्वनि व्यवस्था।
- डोगरी रूप-विज्ञान ते वाक्य-विज्ञान।
- डोगरी अर्थ विज्ञान
- कोशविज्ञान दी परिभाशा, कोश-निर्माण दी प्रक्रिया ते पद्धति।
– बक्ख-बक्ख चाल्ली दे कोश ते उंदा प्रयोग।

इकाई- II

- डोगरी च संज्ञा, सर्वनाम: लिंग, वचन ते कारक दे अधार उप्पर रूपायन।
- डोगरी विशेशन: लिंग, वचन ते कारक दे अधार उप्पर रूपायन। डोगरी च विशेशन बनाने दे नियम।
- डोगरी क्रिया: वाच्य, काल, अर्थ, लिंग, वचन ते पुरश दे अधार उप्पर रूपायन

- डोगरी च सधारण क्रिया, संयुक्त क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया ते नामिक क्रिया।
- डोगरी च अव्यय: क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयबोधक।
- लिपि विज्ञान
 - डोगरी लिपि दा रम्भ ते विकास
 - पराने डोगरे अक्खर ते नमें डोगरे अक्खर
 - देवनागरी लिपि च डोगरी लेखन
 - डोगरी भाशा दे सुआत्म अनुसार देवनागरी लिपि च अपनाए गेदे चेचे घुवे।

इकाई- III

- सन् 1980 तगर दी डोगरी कविता दा रम्भ ते विकास।
- डोगरी कविता दे बक्ख-बक्ख रूपें-स्वछंद कविता, छंदोबद्ध कविता, गीत, लम्मी कविता, गज़ल चमुखे, सॉन्नेट, दोहे आदि दा अध्ययन।
- हेठ लिखे दे कवियें दी कविता दा विशेष अध्ययन—
के. एस.मधुकर, यश शर्मा, पद्मा सचदेव, मोहन लाल सपोलिया, तारा स्मैलपुरी, कुंवर वियोगी, प्रकाश प्रेमी, चम्पा शर्मा, अश्विनी मंगोत्रा, शम्भूनाथ शर्मा, ज्ञानेश्वर, दर्शनदर्शी।
- सन् 1981 दे बाद दी डोगरी कविता दे प्रमुख रुझानें दा अध्ययन- भगतीवादी, सुधारवादी, श्रृंगारवादी, राष्ट्रवादी, हास्य-व्यंगवादी, प्रगतिवादी।
- डोगरी महाकाव्य दा रम्भ ते विकास।
- डोगरी खंड काव्य ते निर्बंध काव्य दा विशेष अध्ययन।
- डोगरी गज़ल दी विकास यात्रा खास तौर पर इ'नें शायरें दे संदर्भ च-रामनाथ शास्त्री, वेदपाल 'दीप', किश्र स्मैलपुरी, रामलाल शर्मा, शिवराम 'दीप', जितेन्द्र उधमपुरी।

इकाई- IV

- सन् 1980 तगर दी डोगरी कहानी दी विकास यात्रा
- डोगरी कहानी दे विशेषत रुझान :
 - आदर्शवादी
 - यथार्थवादी
 - प्रगतिवादी
 - आधुनिकतावादी
 - मनोवादी
- सन् 1981 दे बाद दी डोगरी कहानी दी विकास यात्रा
- डोगरी-कहानी दे शैलीगत रुझान :
 - प्रतीकात्मक शैली
 - डायरी शैली
 - चिट्ठी – पत्तरी शैली
 - व्यंग्गात्मक शैली

- मनोवैज्ञानिक शैली
- आत्मकथात्मक शैली
- हेठ दित्ते गेदे कहानीकारें दे कहानी—साहित्य दा अध्ययन :
बी.पी. साठे, मदन मोहन शर्मा, नरेन्द्र खजूरिया, ओम गोस्वामी, बंधु शर्मा, कृष्णा प्रेम, शिव मैहता, शिवदेव सुशील

इकाई- V

- सन् 1980 तगर दे डोगरी उपन्यास दी विकास यात्रा
- डोगरी उपन्यासें दे बक्ख-बक्ख रूझानें दा अध्ययन
– समाजिक, राजनैतिक, सुधारवादी, प्रगातिवादी।
- सन् 1981 के बाद दे डोगरी उपन्यासें दी विकास यात्रा
- हेठ दित्ते गेदे डोगरी उपन्यासकारें दे उपन्यासें दा विशेष अध्ययन-
वेद राही, ओ. पी. शर्मा 'सारथी', नरसिंह देव जम्वाल, देश बंधु डोगरा 'नूतन', इन्दरजीत केसर,
ओम गोस्वामी

इकाई— VI

- डोगरी गद्य दी विकास यात्रा
- सन् 1980 तगर दी डोगरी गद्य दी विकास यात्रा
- डोगरी साहित्य च निबंध-लेखन : परिभाषा, भेद ते डोगरी च निबंध लेखन दा इतिहास
- रेखाचित्र दी परिभाषा ते डोगरी रेखाचित्र दा अध्ययन
- जीवनी दी परिभाषा ते डोगरी जीवनी साहित्य दा अध्ययन
- संस्मरण दी परिभाषा ते डोगरी संस्मरण साहित्य दा अध्ययन
- आत्मकथा दी परिभाषा ते डोगरी आत्मकथा साहित्य दा अध्ययन
- हेठ दित्ते गेदे गद्य लेखकें दे लेखन दा अध्ययन :
शक्ति शर्मा, विश्वनाथ खजूरिया, लक्ष्मी नारायण, नीलाम्बर देव शर्मा, चम्पा शर्मा, नरसिंह देव
जम्वाल, ओम विद्यार्थी।

इकाई- VII

- सन् 1980 तगर दे डोगरी रंगमंची नाटकें ते रेडियो नाटकें दी विकास यात्रा।
- सन् 1981 दे बाद आहले डोगरी रंगमंची नाटकें ते रेडियो नाटकें दी विकास यात्रा।
- सन् 1980 तगर दे डोगरी एकांकिये दा आलोचनात्मक इतिहास।
- सन् 1981 दे बाद दे डोगरी एकांकियें दा आलोचनात्मक इतिहास।
- डोगरी नुक्कड़ नाटक दा विशेष अध्ययन।

- डोगरी नाटक ते एकांकियें च प्रमुख रुझान :
 - यथार्थवादी, सुधारवादी, परम्परावादी, प्रगतिवादी
- हेठ दित्ते गेदे नाटककारें दे नाट्यरूपें दा विशेष अध्ययन विश्वनाथ खजूरिया, दीनू भाई पंत, रामनाथ शास्त्री, मदनमोहन शर्मा, नरसिंहदेव जम्वाल, जितेन्द्र शर्मा, मोहन सिंह, ओम गोस्वामी।

इकाई- VIII

साहित्य-आलोचना ते डोगरी साहित्य

- साहित्य-आलोचना दे छें भारती संप्रदायें दा अध्ययन
 - रस
 - अलंकार
 - रीति
 - वक्रोक्ति
 - ध्वनि
 - औचित्य
- भारती आलोचना दे सिद्धांते दा डोगरी साहित्य-आलोचना च प्रयोग :
 - कविता- साहित्य दे संदर्भ च।
 - कथा- साहित्य दे संदर्भ च।
 - नाटक – साहित्य दे संदर्भ च।
- साहित्य-आलोचना दे पच्छमी आलोचना- सिद्धांतें दा अध्ययन :
 - थथार्थवाद सिद्धांत
 - आदर्शवाद सिद्धांत
 - आधुनिकतावाद सिद्धांत
 - उत्तराधुनिकतावाद सिद्धांत
 - अभिव्यंजनावाद सिद्धांत
- डोगरी साहित्य आलोचना च उप्पर दित्ते दे पच्छमी आलोचना-सिद्धांते दा प्रयोग
 - कविता – साहित्य दे संदर्भ च।
 - कथा - साहित्य दे संदर्भ च।
 - नाटक – साहित्य दे संदर्भ च।
- हेठ दित्ते दे आलोचकें दे आलोचना – कम्में दा अध्ययन :
 - नीलाम्बर देव शर्मा, लक्ष्मी नारायण, रामनाथ शास्त्री, शिवनाथ, चम्पा शर्मा, वीणा गुप्ता, ओम गोस्वामी

इकाई- IX

लोक-साहित्य ते लोक-कलां

लोक-साहित्य ते लोक-कला दी परिभाशा, लोक साहित्य ते लोक-कला दियां प्रमुख विशेषतां।

लोक साहित्य दे भेद:

लोक—गीत, लोक—कथां, लोक—गाथां, मुहावरे, खुआन ते बझारतां।

लोक—साहित्य ते शिष्ट—साहित्य च फर्क—भेद, लोक—कला ते आधुनिक कला च अन्तर।

लोकगीत

लोकगीत दी परिभाशा, प्रमुख विशेशतां ते लोकगीतें दे भेद :

डोगरी लोकगीतें दे विशेश संदर्भ च।

लोक—कथां

लोककथ दी परिभाशा, प्रमुख विशेशतां ते लोककथें दे भेद डोगरी लोककथें ते विशेश संदर्भ च।

लोक—गाथा'

लोकगाथा दी परिभाशा, प्रमुख विशेशतां ते लोकगाथा दे भेद डोगरी लोकगाथा दे विशेश संदर्भ च।

लोक—कलां

लोकनाच ते डुग्गर दे लोकनाच, लोक चित्रकला ते डुग्गर दी लोक चित्रकला, लोक मूर्तिकला ते डुग्गर दी लोक मूर्तिकला, लोक संगीत कला ते डुग्गर दी लोक संगीत कला।

यूनिट(Unit)- X

- अनुवाद दी परिभाशा, म्हत्ता, भेद ते शैली
- डोगरी च अनूदित साहित्यक कृतियें दा अध्ययन
 - अनूदित काव्य कृतियें दा अध्ययन
 - अनूदित कथा कृतियें दा अध्ययन
 - अनूदित नाटकें दा अध्ययन
 - अनुदित गद्य कृतियें दा अध्ययन
- श्रीमद्भगवत गीता दे डोगरी अनुवाद : विशेष अध्ययन
- साहित्यक कृतियें दे अनुवाद सरबंधी समस्यां
 - काव्य अनुवाद सरबंधी समस्यां
 - कथा अनुवाद सरबंधी समस्यां
 - नाटक अनुवाद सरबंधी समस्यां
- दफ्तरी अनुवाद सरबंधी समस्यां
- पत्रकारिता च अनुवाद दी म्हत्ता।
- हेठ दित्ते गेदे अनुवादकें दे अनुवादें दा विशेश अध्ययन
श्याम लाल शर्मा, रामनाथ शास्त्री, विश्वनाथ खजूरिया, पद्मा सचदेव, चम्पा शर्मा, वीणा गुप्ता,
जितेन्द्र शर्मा, ओम गोस्वामी